

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय



एक अनोखी मेट्रो परंपरा का जन्म; श्री तोखन साहू ने श्री अनिल मारवाह की 24 साल की प्रतिबद्धता का सम्मान किया

भारत में मेट्रो एक “मौन क्रांति” है जो शहरी मोबिलिटी और समाज को बदल रही है

प्रविष्टि तिथि: 11 MAR 2026 8:55PM by PIB Delhi

केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने आज दिल्ली मेट्रो के दीवाने श्री अनिल मारवाह को सम्मानित किया। मारवाह ने 24 दिसंबर 2002 को इस सेवा के शुरू होने के बाद से हर नए खुले दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर के पहले दिन पहली ट्रेन में सफर करके एक खास उपलब्धि हासिल की है। यह सम्मान समारोह नई दिल्ली में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार की मौजूदगी में हुआ।



पिछले 24 सालों से लगातार श्री मारवाह ने इस अनोखी व्यक्तिगत परंपरा को ईमानदारी से जारी रखा है, जिससे वे दिल्ली मेट्रो के सफर के सबसे पक्के फॉलोअर्स में से एक बन गए हैं। 2002 में अपनी पहली मेट्रो यात्रा को याद करते हुए, उन्होंने बताया कि कैसे दिल्ली मेट्रो का लॉन्च भारत के शहरी परिवहन में एक ऐतिहासिक पड़ाव बन गया। उन्होंने बताया कि मेट्रो ने पूरे शहर में संपर्क को काफी बेहतर बनाया है और सड़क से आने-जाने की मुश्किलों को बहुत कम किया है, खासकर ऐसे समय में जब लोगों को अक्सर बसों के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था। उन्होंने यह भी बताया कि मेट्रो की समयबद्धता और सुविधा ने लाखों यात्रियों के लिए सफर से जुड़ा तनाव कम करने में मदद की है, जिससे यह सार्वजनिक परिवहन के सबसे भरोसेमंद और कुशल तरीकों में से एक बन गया है।

श्री मारवाह के शानदार प्रतिबद्धता की तारीफ करते हुए, श्री तोखन साहू ने कहा कि ऐसी कहानियां दिखाती हैं कि लोगों का दिल्ली मेट्रो के साथ कितना गहरा जुड़ाव बन गया है। उन्होंने मेट्रो सिस्टम को एक परिवर्तनकारी शहरी मोबिलिटी समाधान और भारत के आधुनिक बुनियादी ढांचा के विकास का एक मजबूत प्रतीक बताया। उन्होंने आगे बताया कि यह परियोजना पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के समय शुरू किया गया था, जिनकी दूर की सोचने वाली लीडरशिप ने भारत में आधुनिक मेट्रो रेल प्रणाली की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कहा कि उस विजन ने शहरी मोबिलिटी में एक नया अध्याय खोला और पूरे देश में मेट्रो नेटवर्क के तेजी से बढ़ने का रास्ता बनाया।

पिछले दो दशकों में दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन में आए बदलाव के बारे में बात करते हुए, श्री मारवाह ने बताया कि कैसे मेट्रो लाखों लोगों की रोजमर्रा की ज़िंदगी का एक जरूरी हिस्सा बन गई है। उन्होंने श्री साहू से यह भी अपील की कि वे सचिव समेत वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को मेट्रो से सफर करने के लिए बढ़ावा दें ताकि वे इसकी दक्षता और सुविधा का खुद अनुभव कर सकें। उन्होंने लोगों, खासकर काम की जगहों, स्कूलों और कॉलेजों तक जाने वाली महिलाओं के लिए परिवहन का एक सुरक्षित, भरोसेमंद और आसान तरीका देने के सरकार के प्रयासों की तारीफ की। अपनी प्रेरणा देने वाली यात्रा शेयर करने के लिए श्री मारवाह का शुक्रिया अदा करते हुए, श्री साहू ने कहा कि पिछले 24 सालों में उनकी अटूट प्रतिबद्धता दिखाती है कि लोग सार्वजनिक परिवहन प्रणाली पर कितना गर्व और भरोसा करते हैं।

शहरी मोबिलिटी में भारत की तेजी से हो रही तरक्की के बारे में बताते हुए, श्री साहू ने कहा, “मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि पिछले दशक में, भारत ने अपने मेट्रो नेटवर्क को बढ़ाने में काफी तरक्की की है। आज, देश में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है, जिसमें 29 शहरों में 1,143 किलोमीटर से ज्यादा मेट्रो चालू है और लगभग 936 किलोमीटर मेट्रो बन रही है। 2014 में, मेट्रो सर्विस सिर्फ पांच शहरों में उपलब्ध थी। आज, हर दिन लगभग 11.5 मिलियन यात्री मेट्रो से सफर करते हैं। यह सच में तरक्की और लोगों के भरोसे की एक शानदार कहानी है।”



श्री साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में और डबल इंजन वाली सरकारों के समर्थन से, देश भर में मेट्रो नेटवर्क ज्यादा साफ, सुरक्षित, ज्यादा भरोसेमंद और तेज होते जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार मेट्रो कनेक्टिविटी बढ़ाने, शहरी मोबिलिटी को मजबूत करने और लाखों नागरिकों के लिए रोजाना आने-जाने को आसान बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। जन भागीदारी के महत्व पर जोर देते हुए, श्री साहू ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन का ज्यादा इस्तेमाल ट्रैफिक की भीड़ को कम करने, पर्यावरण की रक्षा करने और भविष्य के लिए साफ, स्मार्ट और टिकाऊ शहर बनाने में मदद कर सकता है।

बातचीत के दौरान, यह माना गया कि भारत में मेट्रो की शुरुआत न केवल शहरी मोबिलिटी में एक साइलेंट क्रांति है, बल्कि इसने कई सकारात्मक सामाजिक बदलाव भी लाए हैं। मेट्रो ने यात्रियों में सिविक सेंस और आत्म-अनुशासन को बेहतर बनाने, भरोसेमंद सार्वजनिक परिवहन के जरिए महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ाने और लाखों लोगों के लिए शिक्षा और कार्यस्थल तक आसान पहुंच बनाने में मदद की है। इसका असर परिवहन से कहीं आगे तक जाता है, जो एक ज्यादा जुड़े हुए, समावेशी और प्रगतिशील शहरी समाज को बनाता है।

पीके/केसी/एमपी

(रिलीज़ आईडी: 2238725) आगंतुक पटल : 63
इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English

